

First 'Miyawaki Forest' of the District inaugurated at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune

Date: 22-07-2024



FIRST 'MIYAWAKI FOREST' OF DIST AT CUH

Mahendragarh: Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, and Arsh Verma, Superintendent of Police, Mahendragarh, inaugurated the first 'Miyawaki forest' of the district on campus. On this occasion, the VC praised the District Forest Department for choosing the university for the project and said this was the first Miyawaki forest established in any university of the state. Prof Kumar said in future more Miyawaki forests would be developed on small plots in the campus. He said the project would also promote environmental conservation. The Vice-Chancellor urged everyone to plant trees and look after them. Explaining the need for sustainable development, he said everybody must avoid plastics to conserve the environment and water. On this occasion, Prof Sushma Yadav appreciated the efforts being made by the district administration for environmental conservation. Congratulating the winners of the competition organised under the campaign 'Ek Paudha Maa Ke Naam', she said that collective efforts by all were necessary to make the earth green. A Miyawaki forest had been planted in 2.47 acres of land on the university campus. In this, 37 types of 10,000 different plants, including amla, neem, drumstick, peepal, jacaranda, papadi, sheesham, siras and jamun were planted.



Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj

Date: 20-07-2024

जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए हैं 37 प्रकार के दस हजार पौधे

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (दुकेवि), महेंद्रगढ़ में शुकुवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टिकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टिकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति

रही। प्रो. टिकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। उन्होंने स्तुत विकास की आवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने



पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हरेक पौधा मां के नामदा अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए

कहा कि हमारी धृती को हर-भग करने के लिए हम सभी का समूहिक प्रयास आवश्यक है। जिला पुलिस अधीक्षक अर्श जर्मा ने बच्चों को सदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय

विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सरहनीय कार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ पेंटिंग, खेलकूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण के प्रति सजबन रहने का आह्वान किया। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें अंबला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पानड़ी, शीराम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में जिले के अन्य क्षेत्रों में और अधिक मियावाकी

वन विकसित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के शोध अधिकारी प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैम्पस बनीन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बड़ेगा बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, पुलिस अधीक्षक, जिला वन अधिकारी, पाली गॉल के सरपंच सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए हैं 37 प्रकार के दस हजार पौधे

हकेंवि में मियावाकी वन का किया उद्घाटन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया।

शिवविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधरोपण के साथ-साथ उनकी



हकेंवि में मियावाकी वन के उद्घाटन पर पौधरोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, पुलिस अधीक्षक अर्श वरमा, वन विभाग के अधिकारी व अन्य। स्रोत: हकेंवि

देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए

कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वरमा ने बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने

बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10 हजार पौधे लगाए गए हैं।

कुलपति, समकुलपति, पुलिस अधीक्षक, जिला वन अधिकारी, पाली के सरपंच सहित अन्य लोगों ने पौधरोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, ग्रीन कैम्पस क्लोन कैम्पस क्लव के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज अधिकारी चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण, राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गांव के सरपंच देशराज मौजूद रहे।

जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व एसपी ने किया उद्घाटन केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए 37 प्रकार के 10 हजार पौधे

भास्करन्यूज़ | महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ में शुरुआत को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समस्त कुलपति प्रो. सुयमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से



आह्वान किया। जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ पेंटिंग, खेलकूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण के

प्रति सजग रहने का आह्वान किया। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10 हजार पौधे लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा ने

कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैम्पस क्लिन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज ऑफिसर चंद्रशुभ, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गांव के सरपंच देशराज आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 20-07-2024

हकेंवि में 2.47 एकड़ में विकसित होगा पहला मियावाकी वन

संवाद सहायगी, जागरण • महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी (घने) वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुपमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार उपस्थित रहे।

कुलपति ने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। उन्होंने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। साथ



हकेंवि में मियावाकी वन के उद्घाटन के अवसर पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और पुलिस अधीक्षक अर्श वरमा • सौ प्रकृता

ही सतत विकास की आवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुपमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने 'एक पौधा

मां के नाम' अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वरमा ने बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में

37 प्रकार के 10,000 पौधे लगाए गए हैं मियावाकी वन में, फलदार व छायादार पेड़ हैं शामिल

किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ पेंटिंग, खेलकूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण के प्रति सजग रहने की अपील की।

जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में जिले के अन्य क्षेत्रों में और अधिक मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए

प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैम्पस क्लोन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ेगा, बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, पुलिस अधीक्षक, जिला वन अधिकारी, पाली गांव के सरपंच सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया।

आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डा. जितेंद्र, डा. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज आफिसर चंद्रगुप्त, रजनीश, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गांव के सरपंच देशराज, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति ने किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़, 19 जुलाई (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विवि में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार की भी उपस्थिति रही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में विवि परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे।

हकेंवि में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए 37 प्रकार के दस हजार पौधे जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व एसपी ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ► महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार भी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। उन्होंने सतत विकास की आवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधारोपण करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा

कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। एसपी अर्श वर्मा ने बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47

एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजना, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, एसपी, जिला वन अधिकारी, पाली गांव के सरपंच देशराज सिंह फौजी सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज आफिसर चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गांव के सरपंच देशराज आदि मौजूद थे।

First 'Miyawaki Forest' of the District inaugurated at **CUH**

Param Vashist

info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Shri Arsh Verma, IPS, Superintendent of Police, District Mahendragarh inaugurated the first 'Miyawaki Forest' of the district at University Campus. On this occasion, Prof. Tankeshwar Kumar praised the District Forest Department for choosing the University for this project and said that this is the first Miyawaki Forest established in any University of the state. On this occasion, Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chan-



cellor of the University and Shri Rajkumar, District Forest Officer were also present. Prof. Tankeshwar Kumar expressed his gratitude to all the participants of this event. He said that in future more Miyawaki Forests will be developed on small plots in the University campus. He said

that this project will also promote environmental conservation. The Vice Chancellor called upon everyone to plant trees as well as take care of them. Explaining the need for sustainable development, he stressed on the need to avoid the use of plastic and to conserve the environment and water. On this occasion, Prof. Sushma Yadav appreciated the efforts being made by the district administration for environmental conservation. Congratulating the winning participating students in the competition organized under the campaign 'Ek Paudha Maa Ke Naam', she said that collective efforts of all of us are necessary to make our earth green.

जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

केंद्रीय विवि में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए हैं 37 प्रकार के दस हजार पौधे

महेंद्रगढ़, 19 जुलाई (परमजीव, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है।

इस अवसर पर की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कुलपति ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा।

कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी



पौधारोपण करते पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा।

से आह्वान किया। उन्होंने सतत विकास की आवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने

पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों

की सराहना की। उन्होंने 'एक पौधा मौं के नाम' अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया



विजेता प्रतिभागियों को प्रस्तुत करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ पेंटिंग, खेल-कूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

जिला वन अधिकारी श्री राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला,

नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शोशम, सोरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में जिले के अन्य क्षेत्रों में और अधिक मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के शोध अधिपत्या प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रीन कैम्पस क्लोन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, पुलिस अधीक्षक, जिला वन अधिकारी, पाली गाँव के सरपंच सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया।

इस अवसर नैलम सांगवान, प्रो. बोरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज ऑफिसर चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गाँव के सरपंच देशराज, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

